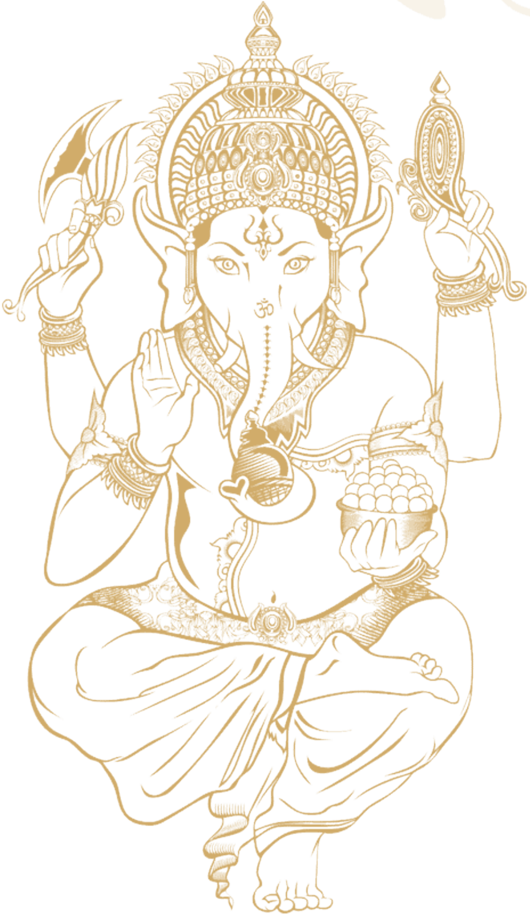

Miss Kaya Parkash Kishan

20 Dec 2025

05:57 PM

Hajipur

Model: web-freekundliweb **Order No: 120781209**

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/12/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**17:57:00 घंटे**
इष्ट	28:35:10 घटी
स्थान	**Hajipur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:41:00 उत्तर
रेखांश	85:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:07:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:25 घंटे
साम्पातिक काल	00:05:14 घंटे
सूर्योदय	06:30:55 घंटे
सूर्यास्त	17:02:48 घंटे
दिनमान	10:31:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:39:00 धनु
लग्न के अंश	17:46:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वृद्धि
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:46:04	318:28:09	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			धनु	04:39:00	01:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	09:35:37	12:05:51	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	धनु	09:42:50	00:45:30	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	17:22:13	01:26:03	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	28:33:07	00:06:50	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	00:32:06	01:15:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
शनि			मीन	01:22:57	00:02:22	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	17:36:56	00:13:16	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	17:36:56	00:13:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:05:04	00:02:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:10:50	00:00:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:09:53	00:01:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	07:12:32	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:16

लग्न-चलित

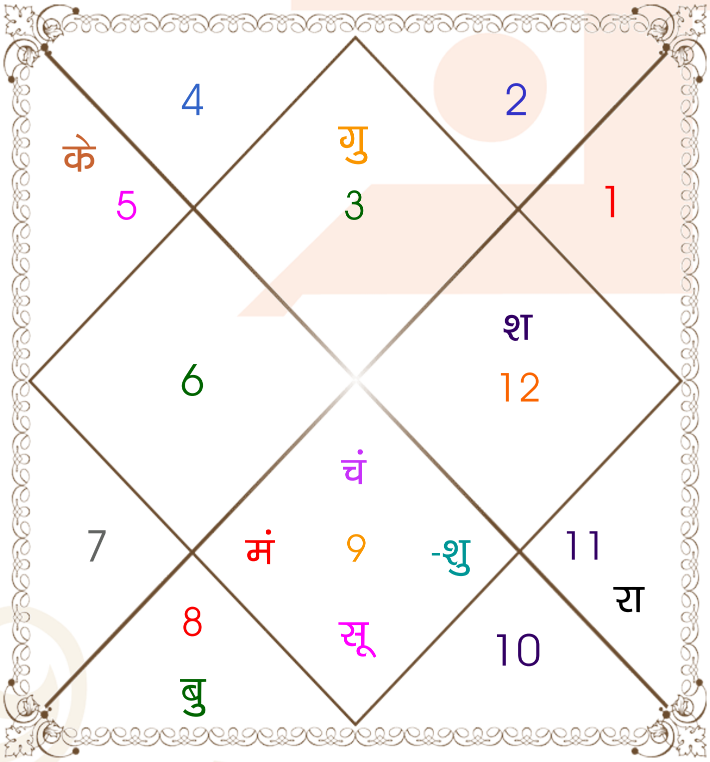

चन्द्र कुंडली

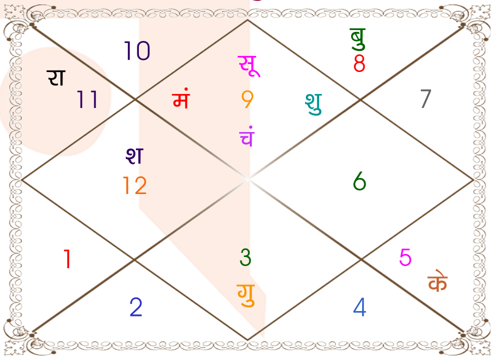

नवमांश कुंडली

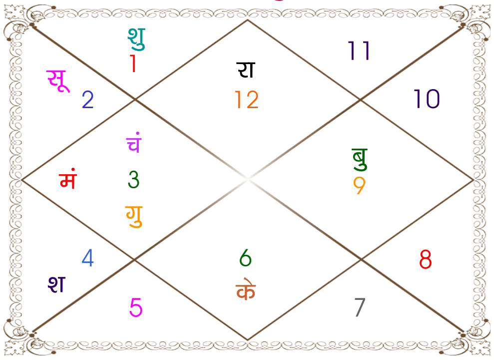

FUTUREPOINT Astro Solutions

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 11 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/12/2025		07/12/2027		07/12/2047		07/12/2053		07/12/2063	
07/12/2027		07/12/2047		07/12/2053		07/12/2063		07/12/2070	
	00/00/0000	शुक्र	08/04/2031	सूर्य	26/03/2048	चंद्र	07/10/2054	मंगल	04/05/2064
	00/00/0000	सूर्य	07/04/2032	चंद्र	25/09/2048	मंगल	08/05/2055	राहु	23/05/2065
	00/00/0000	चंद्र	07/12/2033	मंगल	30/01/2049	राहु	06/11/2056	गुरु	29/04/2066
	00/00/0000	मंगल	06/02/2035	राहु	25/12/2049	गुरु	08/03/2058	शनि	08/06/2067
	00/00/0000	राहु	06/02/2038	गुरु	13/10/2050	शनि	07/10/2059	बुध	04/06/2068
	00/00/0000	गुरु	07/10/2040	शनि	25/09/2051	बुध	08/03/2061	केतु	31/10/2068
	20/12/2025	शनि	07/12/2043	बुध	01/08/2052	केतु	07/10/2061	शुक्र	31/12/2069
शनि	10/12/2026	बुध	07/10/2046	केतु	07/12/2052	शुक्र	08/06/2063	सूर्य	08/05/2070
बुध	07/12/2027	केतु	07/12/2047	शुक्र	07/12/2053	सूर्य	07/12/2063	चंद्र	07/12/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/12/2070		07/12/2088		08/12/2104		08/12/2123		08/12/2140	
07/12/2088		08/12/2104		08/12/2123		08/12/2140		00/00/0000	
राहु	19/08/2073	गुरु	25/01/2091	शनि	11/12/2107	बुध	06/05/2126	केतु	06/05/2141
गुरु	13/01/2076	शनि	07/08/2093	बुध	21/08/2110	केतु	03/05/2127	शुक्र	06/07/2142
शनि	19/11/2078	बुध	13/11/2095	केतु	29/09/2111	शुक्र	03/03/2130	सूर्य	11/11/2142
बुध	07/06/2081	केतु	19/10/2096	शुक्र	29/11/2114	सूर्य	08/01/2131	चंद्र	12/06/2143
केतु	26/06/2082	शुक्र	20/06/2099	सूर्य	11/11/2115	चंद्र	08/06/2132	मंगल	08/11/2143
शुक्र	25/06/2085	सूर्य	08/04/2100	चंद्र	11/06/2117	मंगल	05/06/2133	राहु	25/11/2144
सूर्य	20/05/2086	चंद्र	08/08/2101	मंगल	21/07/2118	राहु	24/12/2135	गुरु	01/11/2145
चंद्र	19/11/2087	मंगल	15/07/2102	राहु	27/05/2121	गुरु	30/03/2138	शनि	21/12/2145
मंगल	07/12/2088	राहु	08/12/2104	गुरु	08/12/2123	शनि	08/12/2140		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्वेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।